हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 25 | लखनऊ शनिवार 27 जून 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ऑफीसर कर रहे सम्राट के खिलाफ साजिश

भरत तिवारी एनकाउंटर पर पूर्व सांसद नागमणि का बड़ा दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व सांसद और भाजपा नेता नागमणि ने इस एनकाउंटर को लेकर एक बेहद विवादित और चर्चित बयान दिया है, जिसने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। नागमणि ने मारे गए भरत तिवारी के आपराधिक इतिहास का हवाला देते हुए उसे सूबे का सबसे बड़ा गुंडा और अपराधी करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस के कुछ बड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जानबूझकर सम्राट चौधरी की सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर नागमणि ने कहा, सब ठीक नहीं चल रहा है। सारे पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो गया। ये गलत है। नागमणि ने सम्राट चौधीर को लेकर कहा, कुछ पुलिस ऑफीसर भी सम्राट चौधरी जी के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं।

सम्राट के पक्ष में नागमणि की ताबड़तोड़ बैटिंग

सम्राट चौधरी की तारीफ में नगमणि ने खूब कसीदे गढ़े। उन्होंने कहा, लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह से चुस्त और दुरुस्त करने के लिए इन्होंने (सम्राट चौधरी) कार्रवाई किया। डेवलपमेंट साइड में जो इनका इतने कम दिनों के अंदर में जो प्लानिंग है, उससे हर बिहारी खुश है। लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने के लिए उन्होंने कहा है कि अगर छोटी लड़कियों के साथ कहीं रेप होता है तो 13वीं को माला पहना दीजिए यानी उसको एनकाउंटर कर दीजिए।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान पीओके में हमला किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3डी वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

भारत की एयरस्ट्राइक में कई पाकिस्तानी एयरबेस तबाह हुए थे- भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं। मक्सर ने पाकिस्तान के जिनकी फोटोज जारी की, उनमें सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर के एयरबेस थे। फोटोज में साफ देखा जा सकता है कि हमले के पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी। सेना ने 7 मई 2025 की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे।

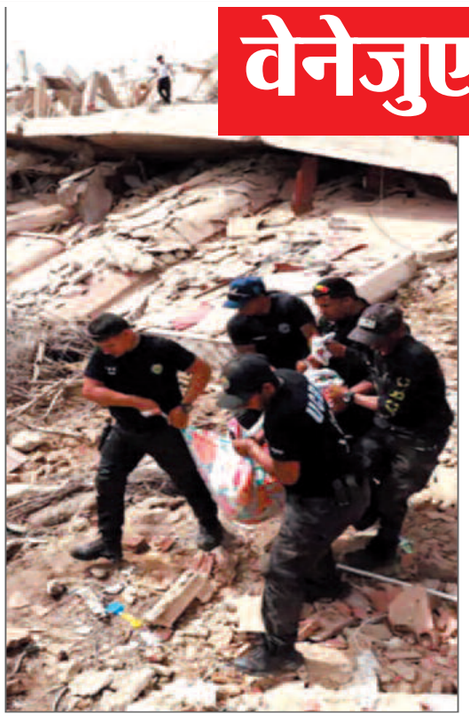

वेनेजुएला भारी तबाही

अब तक 235 की मौत

4300 से ज्यादा घायल, मलबे के ढेर में जिंदगी की तलाश

सरकार बोली-39,000 लोग लापता,नीचे से आ रहीं आवाजें

कराकस (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के कारावोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रही हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 फीसदी आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30 फीसदी।

मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका- वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो विमान फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं।

राहत अभियान में जुटी टीमें- घायलों को खून से लथपथ हालत में मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें एक महिला सीमेंट के भारी स्लैब के नीचे फंसी हुई दिखाई दी और मलबे से उसके एक पैर का हिस्सा ही दिखाई दे रहा था, बचाव दल ने काफी प्रयास के बाद उसे जीवित बाहर निकाल लिया। एक महिला अपने तीन और दस वर्षीय बच्चों के शवों को कंबलों में लपेटकर ले जाते देख फूट-फूटकर रो पड़ी और बेसुध होकर गिर गई।

चंदा चोरी की 'भेंट' चढ़ गए चंपत राय

राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा, अनिल मिश्रा की भी छुट्टी

राम मंदिर केस में अब तक 8 लोगों पर एफआईआर दर्ज

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के तीन दिन बाद ही दो बड़े इस्तीफे हो गए हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद ने चंपत राय और अनिल मिश्रा को ट्रस्ट से इस्तीफा देने की सलाह दी है।

माना जा रहा है कि दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट को सौंप दिया है, जिस पर आगे होने वाली ट्रस्ट की बैठक में विचार होगा। राम मंदिर ट्रस्ट ही इस पर फैसला लेगा, क्योंकि ट्रस्ट एक ऑटोनोमस बॉडी है। आपको बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को ही एसआईटी ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इसके बाद गुरुवार को मामले में केस दर्ज किया गया और 8 लोगों को आरोपी बनाया गया। आरोपियों में चंपत राय के करीबी और ड्राइवर टिन्नू यादव का नाम भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों के नाम सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडे, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला और रमाशंकर मिश्र हैं। चंपत राय के इस्तीफे के कयास उसी समय लगाए जाने लगे थे, जब सोमवार को एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

मैंने कहा था-कार्रवाई होगी और कार्रवाई शुरू हो गई

राम मंदिर मामले में बोले सीएम योगी, कांग्रेस पर जमकर बरसे

देवरिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाया है। अयोध्या के दौर पर आए अरविंद केजरीवल ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच करने वाली एसआईटी पर सवाल उठाए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि, जब इन्हें कुछ नहीं मिला तो रामभक्तों पर आक्षेप कर रहे हैं,अयोध्या धाम को बदनाम कर रहे हैं। सीएम योगी ने देवरिया में एक जनसभा में यह बात कही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, एक दिल्ली से सज्जन वहां आए हैं, अयोध्या। दिल्ली की जनता ने उन्हें 15 वर्ष अवसर दिया,लेकिन दिल्ली को उन्होंने बर्बादी,भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया। सीएम योगी ने कहा कि, मैंने 19 जून को अयोध्या के दौरे पर कहा था, जन आस्था के साथ खिलवाड़ न हो। मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआइटी रिपोर्ट आई, कार्रवाई प्रारंभ हो गई है।

टीम नितिन नवीन तैयार! जल्द होगा ऐलान

केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल के साथ शुरुआत

बीजेपी संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक बदलावों के साथ ही किया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बारे में बीजेपी सूत्रों ने पहले ही संकेत दिए थे कि संगठन में बड़े बदलाव जून के आखिर तक हो सकते हैं, साथ ही ये बदलाव केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से जुड़े हो सकते हैं। गुरुवार को नितिन नबीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ बातचीत के बाद फेरबदल की अटकलें और तेज हो गईं। पार्टी के लोगों का मानना है कि संगठन में फेरबदल, गुरुवार को घोषित की गई उत्तर प्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब होगी।

पीडीए की काट पर रहा फोकस

उत्तर प्रदेश की नई टीम में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान गया है। इसे समाजवादी पार्टी की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण का जवाब माना जा रहा है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय संगठन में भी इसी तरह युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्योंकि पार्टी युवाओं और महिलाओं के अलावा अहम जाति समूहों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। इधर, केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें उस समय और तेज हो गईं जब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ बैठक की। बदलाव की प्रक्रिया आखिरी दौर में है।

मोदी मंत्रिमंडल में बढ़ सकते हैं महाराष्ट्र से मंत्री!

ऑपरेशन टाइगर के बाद श्रीकांत शिंदे समेत चर्चा में पांच नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सफल ऑपरेशन टाइगर का असर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में देखने को मिल सकता है। उद्धव ठाकरे के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के साथ आने पार्टी शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। चर्चा है कि एक कैबिनेट बर्थ शिवसेना को मिल सकती है। मंत्री पद के लिए शिंदे के बेटे डॉ. श्रीकांत शिंदे के साथ धाराशिव से सांसद ओम राजे निंबालकर का नाम भी चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी कोई मंत्री बन सकती है। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी तब प्रफुल्ल पटेल का नाम सामने आया था लेकिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऑफर किए जाने पर बात अटक गई थी। अब देखना है कि मंत्रिमंडल में जगह मिलती है या फिर नहीं।

बीजेपी के चार और सहयोगी के दो मंत्री- अभी महाराष्ट्र से कुल छह नेता केंद्र में मंत्री हैं। इनमें चार मंत्री बीजेपी और दो एनडीए के सहयोगियों के पास हैं। इनमें एक मंत्री पद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एक मंत्री पर आरपीआई-ए के पास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का फेरबदल 28 या 29 जून को होने की चर्चा है। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के मंत्री बनने की संभावना है। वह अभी राज्यसभा के सदस्य है और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष है। अगर वे मंत्री नहीं बनते हैं तो दूसरी नाम सुनील तटकरे का है। संजय दीना पाटिल का भी नाम चर्चा में है।

इस्लाम अपना लिया तो नहीं मिलेगा ओबीसी का दर्जा

आरक्षण का लाभ भी होगा खत्म, हाईकोर्ट का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में धर्म परिवर्तन और आरक्षण को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है, जिसके तहत हिंदू धर्म की पिछड़ी, अति-पिछड़ी या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को बैकवर्ड क्लास मुस्लिम का दर्जा और आरक्षण देने की बात कही गई थी। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस पी बी बालाजी की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुस्लिम होता है। पीठ ने कहा, कोई भी शख्स इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुसलमान रह जाता है, बस बात यहीं खत्म। वह बैकवर्ड क्लास मुस्लिम के दर्जे या आरक्षण का दावा कतई नहीं कर सकता। यह मामला थूथुकुडी जिले के रहने वाले समीर अहमद की याचिका के बाद सामने आया। पहले उसका नाम परमशिवम था।

परमशिवम का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। 2015 में उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम समीर अहमद रख लिया और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। धर्म परिवर्तन के बाद समीर ने तहसीलदार के पास मुस्लिम लेब्बाई जाति का कम्युनिटी सर्टिफिकेट पाने के लिए आवेदन किया। इस जाति को तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों का दर्जा प्राप्त है।

सिया के इशारे पर प्रेमी चेतन ने केतन को खाई में धकेला

पहले दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप मढ़े; फिर जुर्म स्वीकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के लोहागढ़ किले में रियल एस्टेट कारोबारी केतन विशाल अग्रवाल की हत्या मामले में एक एक कर साजिश की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। जांच से पता चला कि केतन की मंगेतर सिया गोयल से संकेत मिलने पर उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने केतन को लोहगढ़ किले से धक्का दे दिया था। यही नहीं सिया और चेतन ने वारदात को अंजाम देने से पहले हत्या करने का तरीका भी सर्च किया था। जांच से यह भी पता चला है कि केतन की हत्या से एक दिन पहले दोनों एक कैफे में मिले थे। पुणे के कैफे से मिले सीसीटीवी फुटेज में सिया और चेतन चौधरी को 17 जून को मिलते देखा गया है।

दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया - पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या एक घंटे तक चली यह मुलाकात साजिश से जुड़ी थी।जांच में शामिल पुलिस अधिकारी ने कहा, आमने सामने की पूछताछ में दोनों ने एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश की, हालांकि आखिरकार सिया ने मान लिया कि उसने ही साजिश रची थी और चेतन भी उस साजिश में शामिल था। अधिकारी ने बताया कि चेतन ने शुरू में दावा किया कि वह किले में मौजूद तो था, लेकिन उस जगह नहीं गया जहां केतन को नीचे धकेला गया था, और उसे ठीक-ठीक नहीं पता था कि क्या हुआ था। हालांकि यह साफ था कि वह झूठ बोल रहा था।

आती हुई मौत से अनजान था केतन- प्रेट्र के अनुसार साजिश के तहत सिया को बैठकर संकेत दिया, जिसके बाद चेतन आया और केतन को धक्का दिया। केतन को इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उनकी मौत होने वाली है। इससे पहले वह कुछ समझ पाता उसे खाई में धकेल दिया गया। पुलिस ने दोनों से पूछा कि बेगुनाह की हत्या करने के बजाय वे घर से भाग क्यों नहीं गए। इस पर उनका कहना था कि इससे उनके परिवारों की बदनामी होती। सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए दो आरोपियों से पूछताछ की गई।

सम्पादकीय

मिलावट

आज के दौर में मिलावट एक गंभीर और व्यापक समस्या बन चुकी है। यह केवल खाने-पीने की वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि दवाइयों, ईंधन और दैनिक उपयोग की अनेक वस्तुओं में भी देखने को मिलती है। मिलावट का सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था तथा समाज के नैतिक मूल्यों पर पड़ता है। सबसे अधिक चिंता का विषय खाद्य पदार्थों में मिलावट है। दूध में पानी या सिंथेटिक पदार्थ मिलाना, घी में वनस्पति तेल की मिलावट, मसालों में कृत्रिम रंग और मिट्टी का उपयोग, तथा मिठाइयों में हानिकारक रसायनों का प्रयोग–ये सभी आम हो चुके हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर, पेट संबंधी बीमारियों तथा अन्य गंभीर रोगों का कारण बन सकते हैं। हाल ही में आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से 16 लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि दूध में एथिलीन ग्लाइकोल जैसे जहरीले पदार्थ की मिलावट की गई थी, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक है। इस भयावह घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने मामले की जांच तेज कर दी है और लोगों को सतर्क रहने के साथ-साथ केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही दूध एवं खाद्य पदार्थ खरीदने की सलाह दी है। मिलावट के पीछे मुख्य कारण अधिक मुनाफा कमाने की लालसा है। कुछ व्यापारी कम लागत में अधिक लाभ अर्जित करने के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। इसके अतिरिक्त, जागरूकता की कमी और कानूनों का शिथिल पालन भी इस समस्या को बढ़ावा देता है। इस समस्या से निपटने के लिए सख्त कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित जांच आवश्यक है। सरकार को मिलावट करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, आम जनता को भी जागरूक रहना होगा–खरीदारी करते समय उत्पाद की गुणवत्ता, पैकिंग और प्रमाणिकता की जांच अवश्य करनी चाहिए। अंततः, मिलावट केवल एक कानूनी समस्या नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी प्रतीक है।

हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते

ओमप्रकाश मेहता

क्षमा की भावना लेकर, हमको नकारात्मकता को अपने से दूर करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए एकदम सचेत और सक्रिय निर्णय करने की जरूरत है। यह भावना आसानी से नहीं पनपती। खुद के अंदर क्षमा की भावना उत्पन्न करने के लिए हमको ही इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

मानवीय जीव इस सृष्टि में अनमोल हीरा है।मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार समाया हुआ है, परंतु हम अपने आप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की ताकझांक करते रहते हैं। हर क्षेत्र में दूसरों से प्रतियोगिता करने पर उतारू हो जाते हैं, कुछ नया करने की नहीं सोचते। अपनी बुद्धि का सकारात्मक उपयोग लेने पर अगर हम उतारू हो गए!तो हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं क्योंकि इतनीं बुद्धि कौशलता हर एक भारतीय में समाई हुई है। बस !जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की परंतु हम अपने ही बढ़ बोलेपन से घिरे रहते हैं, दूसरों की टांग खींचने में हमको मजा आता है। किसी भी नकारात्मक विस्तार वादी बात को समाधान कर समाप्त करना जैसे हमने सीखे ही नहीं? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि भारत माता की मिट्टी में ही मानवीय गुणों की खान समाई हुई है जिसे हमें चुनकर अपनाना है। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से गुणों की खान के दो हीरे चुप रहना और माफ करना पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मानवीय अनमोल गुण चुप रहने की करें तो, बड़े बुजुर्गों की इस पर दो कहावतें हैं (1) बोलत बोलत बड़े बिखात, पहली कहावत का भावार्थ है, अति बोलने से ही बातें बिगड़ती है झगड़े दंगे फसाद मारपीट हत्याएं तक हो जाती है इसलिए चुप भली,

(2) अति का भला ना बोलना अति की भली न चूप, अति का भला न बरसना अति की भली न धूप, याने दूसरी कहावत का भावार्थ अति चुप रहने को भी नकारा गया है याने अन्याय के खिलाफ चुप रहना हानिकारक है। परंतु हमें इसका निर्णय अपने समाज और राष्ट्र के फायदे को देखकर ही लेना है परंतु मेरा मानना है चुप रहने से कई फायदे हैं और सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है। बोलने से पहले हमें याद रखना होगा के (1) बिना

तथ्य के ना बोले (2)शब्दों से ठेस ना पहुंचे (3) पवित्र वस्तुओं सेवाओं का अपमान ना करें (4) क्रोध में चुप रहे (5) मुद्दे से संबंध ना होने पर चुप रहें (6) शब्दों से किसी को ठेस ना पहुंचे (7) चिल्लाने से चुप भली (8) अपमान से ना बोलें (9) जरूरत पड़ने पर सकारात्मक बोलें (10) निंदा से बचें। साथियों बात अगर हम चुप रहकर भी अपनी दिमागी ताकत से जवाब देने की करें तो, चुप रहना और कुछ समय तक खुद को स्थिर रखना हमको एक अच्छा श्रोता और समीक्षक बनाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब हम चुप रहते हैं तो हम बोलने की बजाय अधिक से अधिक सुनते हैं और उसका विश्लेषण कर पाते हैं। इससे हम पूरे तर्क और वितर्कों को जानने के बाद सही फैसला ले पाते हैं। हम सभी पक्षों को सुनते, समझते और डिसिजन ले पाते हैं। चुप रहना हमारे दिमाग को शांत करता है और हमको लॉजिकल समीक्षक बनाता है हमारे चुप रहने से अनेक बार सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है।

साथियों हमारे शरीर का सबसे जटिल हिस्सा दिमाग होता है। ये पूरे शरीर को चलाता है और ये हमारे सभी इमोशंस को कंट्रोल करता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने दिमाग को भी व्यायाम करवाएं। जिस तरह शरीर को मजबूत बनाने के लिए शारीरिक व्यायाम जरूरी है, उसी तरह दिमाग को मजबूत बनाने के लिए उनकी ताकत बढ़ाना जरूरी है। मौन रहना दिमाग के लिए एक व्यायाम जैसा ही है और इससे दिमाग की मांसपेशियां तंदरुस्त रहती हैं।चुप रहने के अपने शारीरिक और मानसिक फायदे भी हैं? विशेषज्ञ मानते हैं कि चुप रहने से व्यक्ति दिमागदार और उत्पादक बनने की और अग्रसर होता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वाध्याय स्वास्थ्य सुधार होने की संभावना बनी रहती है। व्यर्थ का बोलना ऊर्जा को नष्ट करना है, और यह बोलना ही हमें कभी अपने भीतर की ओर लौट ने नहीं देता , क्योंकि यह हमें बाहर की ओर झुकाए रखता है और जिन्हें भीतर की यात्रा करनी है उन्हें अपने मुंह को बंद ही रखना चाहिए। चुप रहने में अद्भुत शक्ति है।

साथियों बात अगर हम किसी को माफ करने की करें तो, खुद को दुख पहुँचाने या धोखा देने वाले व्यक्ति को माफ करना सबसे कठिन काम है। हालाँकि, यदि हम किसी के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहते हैं, तो उस के लिए हमको माफ करना सीखना भी जरूरी है या फिर सीधे तौर पर बीते हुए पलों को भुलाकर, आगे बढ़ने की कोशिश करें। नकारात्मक भावनाओं से निपटना सीखें, हमको दुख पहुँचाने वाले व्यक्ति का सामना करें और अपने जीवन में आगे बढ़ते जाएँ। क्षमा करना पसंद करें, क्योंकि बड़े बुजुर्गों की कहावत भी है क्षमा दान महादान, क्षमा करके भी हम सामने वाले को एक यादगार सजा के रूप में दे सकते हैं। क्षमा की भावना लेकर, हमको नकारात्मकता को अपने से दूर करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए एकदम सचेत और सक्रिय निर्णय करने की जरूरत है। यह भावना आसानी से नहीं पनपती। खुद के अंदर क्षमा की भावना उत्पन्न करने के लिए हमको ही इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

चेतन उपाध्याय

साथियों बात अगर हम अमेरिका की भूमिका और बढ़ता दबाव इसको समझने की करें तो इस संघर्ष में अमेरिका की भूमिका भी बेहद अहम है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दिया गया 48 घंटे का अल्टीमेटम स्थिति को और अधिक गंभीर बना देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएगा। यह चेतावनी केवल सैन्य धमकी नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दबाव का भी हिस्सा है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, और इसके बंद होने से विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ईरान ने भी जवाब में अमेरिकी और इजरायली ऊर्जा तथा आईटी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की चेतावनी दी है, जिससे साइबर और ऊर्जा युद्ध की संभावना भी बढ़ गई है।यदि यह संघर्ष और बढ़ता है, तो इसका सबसे बड़ा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख स्रोत है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने या अस्थिर होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिससे वैश्विक महंगाई और आर्थिक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, औद्योगिक लागत में बढ़ोतरी और आर्थिक विकास दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है।

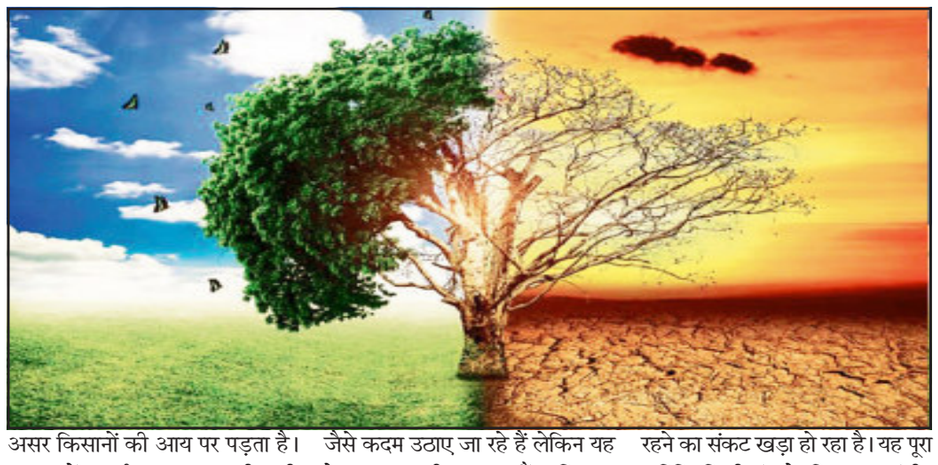

बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है।

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं। पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

महिला सुरक्षा संस्थाओं का पतन

श्रुति व्यास

ईरान पर इसराइली व अमेरिकी हवाई हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से मध्य पूर्व में भड़के भीषण टकराव ने लेबनान, कुवैत, बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान समेत इस क्षेत्र में स्थित अनेक देशों को अपनी चपेट में ले लिया है।

महाराष्ट्र महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रूपाली चाकणकर द्वारा एक बलात्कार आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात उर्फ कैप्टन के पैर धोने का दृश्य सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश में हंगामा मच गया। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर बने संस्थानों की आंतरिक कमजोरी का प्रतीक है। एक ऐसे व्यक्ति के चरणों में नतमस्तक होना, जिस पर 58 महिलाओं के यौन शोषण, गुप्त कैमरे लगाने और नशीले पदार्थों के माध्यम से अंधविश्वास का लाभ उठाने के आरोप हैं, नारीवाद के सिद्धांतों पर गहरा आघात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर चाकणकर ने 20 मार्च 2026 को इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रश्न बना हुआ है–क्या यह राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली का परिणाम है?

भारतीय संदर्भ में महिला आयोग राज्य स्तरीय संस्थाएँ हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 15 और 39 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई हैं। लेकिन जब इन संस्थाओं का प्रमुख स्वयं एक आरोपी के प्रति श्रद्धा दिखाए, तो पीड़ित महिलाओं का विश्वास कैसे बनेगा? नासिक पुलिस ने खरात के फार्महाउस से 58 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए, जो यह सिद्ध करते हैं कि अंधविश्वास कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना हमें सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी स्तर पर गंभीर चिंतन के लिए बाध्य करती है।

अशोक खरात कोई साधारण ज्योतिषी नहीं था। वह ह्यकैप्टनह्ल के नाम से जाना जाता था, जो नेताओं से लेकर आम महिलाओं तक को अपनी कथित पूजा-पाठ और हस्तरेखा देखने के बहाने फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने फार्महाउस पर गुप्त कैमरे लगाए थे, महिलाओं को नशीला पदार्थ पिलाया और उनका शोषण किया। पेन ड्राइव में 58 वीडियो मिले, जो उसके अपराधों के ठोस प्रमाण हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खरात की संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये की है, जो

शोषण के माध्यम से अर्जित की गई है।

भारत में अंधविश्वास का यह बाजार नया नहीं है। तंत्र-मंत्र, ज्योतिष और तथाकथित बाबाओं का प्रभाव ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अंधविश्वास से जुड़े अपराधों में 15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। खरात ने कई नेताओं के हाथ देखे, जिनमें रूपाली चाकणकर भी शामिल थीं। एक वीडियो में वे यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि ह्लआप जैसे महापुरुष दुर्लभ हैं।ह्ल यह श्रद्धा किस प्रकार अपराधी को संरक्षण देती है, यह गंभीर विचार का विषय है। राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपी को छूट मिली, जो व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है।

रूपाली चाकणकर भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने ह्यव्यक्तिगत कारणोंह्ल से इस्तीफा दे दिया, परंतु विशेष जांच दल की जांच जारी है। क्या वे आरोपी की सहयोगी थीं?

विपक्ष ने उन्हें सह-आरोपी बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने तत्काल इस्तीफे का निर्देश दिया, जो सराहनीय कदम है। यह घटना राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली की समस्या को उजागर करती है, जहाँ योग्यता की बजाय वफादारी को प्राथमिकता दी जाती है।

महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन वास्तविकता अलग है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का सामना करती हैं, लेकिन आयोगों तक पहुँचने वाली शिकायतें 5 प्रतिशत से भी कम हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी, भय और राजनीतिक दबाव है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही स्थिति है, जहाँ अंधविश्वास और बाबाओं का प्रभाव अधिक है और राजनीतिक नेता इन्हें वोट बैंक के लिए बढ़ावा देते हैं।

अंधविश्वास महिला शोषण का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। कई तथाकथित बाबा ह्यकाला जादू हटानेह्ल के नाम पर महिलाओं का शोषण करते हैं। शिक्षा के बावजूद अंधविश्वास का बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत लोग अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच यह एक विडंबना है।

कानून के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, पोक्सो कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम ऐसे अपराधों को नियंत्रित करते हैं। फिर भी सजा की दर 30 प्रतिशत से कम है। त्वरित सुनवाई की कमी के कारण अपराधी खुले घूमते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने हुसैनाारा खातून मामले में त्वरित सुनवाई को संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना था।

ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से रौंदा, नॉकआउट स्टेज में बनाई जगह

मियामी । ब्राजील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने दो गोल दागे, जबकि मैथियस कुन्हा ने एक गोल किया। इस मुकाबले में नेमार की लंबे समय बाद ब्राजील की टीम में वापसी हुई। ब्राजील ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और स्कॉटलैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के छठे मिनट में ही ब्राजील ने 1-0 की बढ़त हासिल की। स्कॉटलैंड के डिफेंस

से हुई गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल दागा। विनीसियस ने यह टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल दागा और वह इस गोल के साथ ही गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे और एरलिंग हालैंड की बराबरी कर ली है। पहले गोल के बाद भी ब्राजील का दबदबा जारी रहा। विनीसियस ने एक और गोल किया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की जांच के बाद उसे फाउल करार देते हुए रद्द कर दिया गया। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस ने हाथ आए मौके को भुनाया और ब्राजील को मैच में 2-0 से आगे कर दिया। ब्रूनो गिमाराइश के बेहतरीन क्रॉस पर विनीसियस ने शानदार हेडर मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया।

मैक्सिको ने रचा इतिहास

पहली बार वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज में किया क्लीन स्वीप 22 साल के चावेज से 40 वर्षीय ओचोआ तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 साल के माटेओ शावेज के पहले वर्ल्ड कप गोल से लेकर 40 वर्षीय गुइलेर्मो ओचोआ के ऐतिहासिक छठे वर्ल्ड कप तक, मैक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया। मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हरा पहली बार टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में अपने तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया।

मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट में पहले ही अपनी जगह पक्की कर चुका था। अब उसने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए शान से अगले दौर में कदम रखा। चेक गणराज्य केवल एक अंक ही हासिल कर पाया और वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गया।

पहले 2 जीत और एक ड्रॉ था सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ग्रुप स्टेज में मैक्सिको का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1986 और 2002 में रहा था, जब टीम ने 2 जीत और एक ड्रॉ हासिल किया था। दोनों विश्व कप में जैवियर एगुइरे शामिल थे। पहली बार खिलाड़ी के तौर पर और दूसरी बार मैक्सिको के कोच के रूप में। एगुइरे इस साल फिर टीम के कोच हैं और यह उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीसरा कार्यकाल है।

मैक्सिको ने 6 मिनट के भीतर दागे 2 गोल

माटेओ शावेज और जूलियन क्विनोनेस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में 6 मिनट के अंतराल में गोल किये। अपना पहला विश्व कप खेल रहे शावेज ने 55वें मिनट में गोल किया। क्विनोनेस ने 61वें मिनट में गोल दागा। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल है। अल्वारो फिडाल्गो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मैक्सिको के खाते में एक गोल और जोड़ा।

11 मैच से अपराजित है मैक्सिको

भारतीय समयानुसार गुरुवार यानी 25 जून 2026 की सुबह यह स्टेडियम 80824 दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। एल ट्राइ (मैक्सिको की टीम का उपनाम) को एज्टेका स्टेडियम में केवल दो बार हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें से उसे आखिरी हार छह सितंबर 2013 को होंडुरास के खिलाफ विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में मिली थी। पिछले नवंबर में पनामा के खिलाफ मैत्री मैच में मिली हार के बाद से मैक्सिको 11 मैचों में अपराजित रहा है।

समलैंगिक विरोधी नारों ने लगाया जीत पर दाग- मैक्सिको की जीत पर हालांकि प्रशंसकों द्वारा समलैंगिक विरोधी नारे लगाने से दाग लग गया। इस कारण पहले भी उसके फुटबॉल महासंघ पर जुर्माना और अन्य प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं।

अतीत और भविष्य दोनों की झलक

इस मैच में मैक्सिको के अतीत और भविष्य दोनों की झलक देखने को मिली। गिलबर्टो मोरा 17 साल की उम्र में विश्व कप में शुरुआती लाइनअप में जगह बनाने वाले मैक्सिको के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। दूसरी तरफ 40 वर्षीय गोलकीपर गुइलेर्मो 'मेमो' ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए। ग्रुप ए का विजेता बन चुका मैक्सिको मंगलवार 30 जून को एज्टेका स्टेडियम में राउंड ऑफ-32 के मैच में एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलेगा जिसका अब तक निर्धारण नहीं हुआ है। मैक्सिको ने इस विशाल स्टेडियम में खेले गए नौ विश्व कप मुकाबलों में से एक भी मैच नहीं हारा है।

इंडिया ए का श्रीलंका दौरा

गॉल में गरजे साई सुदर्शन, ठोका शतक

देवदत्त पडीक्कल ने किया निराश

नई दिल्ली। इंडिया ए के ओपनर बल्लेबाज साई सुदर्शन का जबरा फॉर्म जारी है और आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने श्रीलंका की धरती पर भी धूम मचा दी।

साई ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए श्रीलंका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार शतक लगाया और टीम को बेहद मजबूत शुरुआत देने का काम किया। टी20 प्रारूप से सीधे लिस्ट ए में खेलने के बाद साई ने जिस तरह के बैटिंग की उससे साफ होता है कि वो कितने मैच्योर हैं और खेल को कितना समझते हैं।

गॉल में गरजा साई सुदर्शन का बल्ला- श्रीलंका के खिलाफ साई ने पहली पारी में अपना अर्धशतक पहले 69 गेंदों पर पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक इस मैच में 130 गेंदों पर लगाया। इस

दौरान साई के बल्ले से 14चौके निकले साथ ही खबर लिखे जाने तक वो पहली पारी में अपना शतक (100 रन) पूरा करके क्रीज पर टिके हुए थे। ये साई सुदर्शन के लिस्ट ए क्रिकेट करियर का 7वां शतक भी रहा। साई ने अपना 7वां शतक 31वें मैच में पूरा किया। वहीं इस मैच में तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए देवदत्त पडीक्कल का बल्ला नहीं चला और वो 7 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए।

साई सुदर्शन का लिस्ट ए करियर- श्रीलंका के खिलाफ इस मैच से पहले तक अगर साई सुदर्शन के लिस्ट ए क्रिकेट करियर की बात करें तो वो काफी शानदार रहा है। उन्होंने 30 मैचों की 29 पारियों में 6 शतक और 7 अर्धशतक की मदद से 1495 रन बनाए हैं। साई ने लिस्ट ए क्रिकेट में इन मैचों में 59.80 की औसत से रन बनाए हैं जो शानदार रहा। लिस्ट ए क्रिकेट में साई का बेस्ट स्कोर 154 रन रहा है और इन मैचों में उन्होंने 1561 गेंदों का सामना किया है।

कोच शेली निट्स्के ने जताई उम्मीद

भारत के खिलाफ खेल सकती हैं फोएबे लिचफील्ड

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कोच शेली निट्स्के ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में फोएबे लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद जताई है। लिचफील्ड इंजरी की वजह से महिला टी20 विश्व कप 2026 में पिछले तीन मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं रही हैं। लिचफील्ड अगर पूरी तरह से फिट होकर वापसी करती हैं, तो पेरी को दोबारा से नंबर चार की बैटिंग पोजीशन पर लौटना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ नंबर तीन पर खेलते हुए पेरी ने 48 गेंदों में 71 रनों की दमदार पारी खेली थी। लिचफील्ड की उपलब्धता पर आखिरी फैसला रविवार को भारत के

लिचफील्ड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 24 गेंदों में 50 रन की मैच जिताने वाली पारी के दौरान क्वाड में गंभीर चोट लगने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पिछले तीन ग्रुप मैच नहीं खेल पाई हैं। बुधवार को क्रिकेट.डॉट.कॉम.एयू से बात करते हुए निट्स्के ने कन्फर्म किया कि उन्हें उम्मीद है कि लिचफील्ड भारत के खिलाफ सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होंगी।

निट्स्के ने कहा, 'मुझे लगता है कि लिचफील्ड बहुत अच्छा खेल रही हैं और उम्मीद है कि भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगी।' लिचफील्ड की गैरमौजूदगी में नंबर 3 पर एलिसा पेरी बल्लेबाजी कर रही हैं। लिचफील्ड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को लॉर्ड्स में और शनिवार को वर्म्सली में ट्रेनिंग करेगा। लिचफील्ड की वापसी पर लूसी हैमिल्टन को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। वहीं, हेड कोच निट्स्के ने यह भी कन्फर्म किया कि ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस को लॉर्ड्स में उनके अनुभव को देखते हुए वापस बुलाया जा सकता है। निट्स्के ने कहा, 'वह लंदन स्पिरिट के साथ लॉर्ड्स में काफी खेल चुकी हैं, इसलिए वह निश्चित रूप से प्लेइंग इलेवन में भी अपनी जगह बना सकती हैं। वह वास्तव में अनलकी रही हैं, इसलिए हमारे पास निश्चित रूप से कुछ विकल्प मौजूद हैं।'

एमपीएल से राज्य के खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट का रास्ता निकलता है: आवेश

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच रही है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज इस लीग में चंबल घड़ियाल टीम का हिस्सा हैं, जिसका प्रदर्शन सीजन में अच्छा रहा है और टीम टेबल टॉपर है। आवेश खान ने कहा है कि क्रिकेट में सफलता सिर्फ प्रतिभा से तय नहीं होती।

आईएएनएस से खास बातचीत में आवेश खान ने कहा है कि खिलाड़ियों के बीच सबसे बड़ा फर्क उनकी लगातार बेहतर होने की क्षमता है। प्रतिभा हर किसी में होती है, लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर हर बार आप खुद को कैसे बेहतर करते हैं, ये ज्यादा अहम है। प्रतिभा सिर्फ कुछ समय के लिए रहती है। सफलता खेल के हर पहलू पर लगातार काम करने से मिलती है। आपको फिटनेस, गेंदबाजी, बल्लेबाजी, मानसिकता, स्किल्स पर लगातार काम करना होगा। आवेश ने कहा, 'मैं यह संदेश अपने आस-पास के युवा क्रिकेटरों के साथ नियमित रूप से साझा करता हूं। खासकर, मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) जैसे टूर्नामेंट में, जहां कई उभरते हुए खिलाड़ी आईपीएल स्काउट्स और राज्य के चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने की उम्मीद कर रहे होते हैं। अपनी टीम के सदस्यों को मैं यह भी बताता हूं कि प्रतिभा हर किसी में होती है, लेकिन आप इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं और गलतियों से कैसे सीखते हैं, यह बहुत जरूरी है।'

भारतीय एथलेटिक्स की नई सनसनी अनुष्का यादव

इंजरी से लौटकर हैमर थ्रो में कमाल, बनीं सबसे युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स को एक नया सितारा मिल गया है। महज 18 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की रहने वालीं अनुष्का यादव ने हैमर थ्रो में इतिहास रचते हुए सीनियर महिला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इंजरी से शानदार वापसी के बाद अनुष्का यादव ने अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में 67.02 मीटर का जबरदस्त थ्रो कर न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि एशियन गेम्स के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ अनुष्का भारत की सबसे युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर बन गई हैं। वह अब जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाली एथलीट बन गई हैं। अनुष्का ने 2017 में सरिता सिंह के बनाए 65.25 मीटर के नौ साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा।

'हैमर थ्रो को भी मिले जैवलिन जैसी पहचान'- रिकॉर्ड बनाने वाली अनुष्का की सबसे बड़ी इच्छा सिर्फ पदक जीतना नहीं, बल्कि भारत में हैमर थ्रो को लोकप्रिय बनाना है। उनका मानना है कि देश में जैवलिन थ्रो को जिस तरह पहचान मिली है, वैसी ही पहचान हैमर थ्रो को भी मिलनी चाहिए। अनुष्का यादव ने कहा, ''भारत में बहुत कम लोग हैमर थ्रो के बारे में जानते हैं, लेकिन हर कोई जैवलिन थ्रो जानता है। मैं चाहती हूं कि लोग हैमर थ्रो को भी उसी तरह पहचानें।'' भारत में जैवलिन की लोकप्रियता के पीछे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा की बड़ी भूमिका रही है। अब अनुष्का यादव चाहती हैं कि हैमर थ्रो को भी देश में नई पहचान मिले।

एशियन गेम्स में गोल्ड और 70 मीटर का लक्ष्य- अनुष्का यादव अपने लक्ष्य को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं। उन्होंने साफ कहा कि वह आगामी एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हैं। साथ ही उनका सपना जल्द से जल्द 70 मीटर के आंकड़े को पार करना है। अनुष्का यादव ने कहा, ''मैं एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना चाहती हूं और उम्मीद है कि जल्द ही 70 मीटर का आंकड़ा पार करूंगी।''

चोट ने रोकी थी रफ्तार, लेकिन नहीं टूटा हौसला

अनुष्का यादव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि कुछ महीने पहले तक उनका सीजन मुश्किल में नजर आ रहा था। मार्च में अपने गांव में खेत पर ट्रैक्टर चलाने के दौरान उनके घुटने में लिगामेंट इंजरी हो गई थी। अनुष्का यादव ने बताया कि वह पिता और भाई के साथ खेत में काम कर रही थीं, तभी चोटिल हो गईं। हालांकि, रिकवरी उम्मीद से जल्दी हुई, लेकिन चोट के कारण उनका सीजन देर से शुरू हुआ। इसके बावजूद उन्होंने वापसी करते हुए पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 4 मीटर से ज्यादा का सुधार किया। अनुष्का यादव का पिछला सर्वश्रेष्ठ 62.89 मीटर था, जो उन्होंने पिछले साल नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतते समय हासिल किया था।

अब भारत को अनुष्का से बड़ी उम्मीदें

भारत में हैमर थ्रो का इतिहास बहुत लंबा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस इवेंट को अभी वह पहचान नहीं मिली है जो जैवलिन को मिली है। एशियन गेम्स में महिला वर्ग में भारत की एकमात्र पदक विजेता मंजू बाला रही हैं। मंजू बाला ने 2014 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। अब अनुष्का यादव उस पदक का रंग बदलने की कोशिश में हैं।

चीन को उसके घर में मात देने वाली भारतीय बेटियों को आनंद महिंद्रा का सलाम

'हमें ऐसी उपलब्धियां और चाहिए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बेटियों ने रविवार 21 जून को हॉकी की फील्ड पर इतिहास रचा था और एफआईएच नेशंस कप जीता था। उसके बाद ट्रैक एंड फील्ड 4×100 मीटर रिले में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचा। श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने भारत को एशियन रिले चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। भारतीय महिला रिले टीम की इस जीत के बाद विख्यात उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी टीम की जमकर तारीफ की।

आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स हैंडल पर महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया। उन्होंने टीम की सराहना करते हुए खास मैसेज लिखा और यह भी बताया कि वह बार-बार इस वीडियो को लूप पर देख रहे हैं। उनके मुताबिक चीन को चीन में हराकर गोल्ड जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारत ने एशियाई रिले चैंपियनशिप में इस चैंपियनशिप में 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए।

क्या बोले आनंद महिंद्रा

आनंद महिंद्रा ने भारतीय महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा,'एशियन रिले चैंपियनशिप में चीन के खिलाफ जीतन में जीत दर्ज करना बेहतरीन उपलब्धि।

4-100 मीटर रिले में श्रावणी, सुदेष्णा, स्नेहा और तमन्ना ने अपने टीम वर्क से पॉवर, स्पीड, ग्रेस और कमिटमेंट को दिखाया। मैं इस क्लिप (टीम की जीत के वीडियो) को बार-बार लूप में देख रहा हूं। हमें ऐसी और उपलब्धियां चाहिए हैं।'

भारतीय रिले टीम का सीजन बेस्ट प्रदर्शन- भारतीय रिले टीम ने इस चैंपियनशिप के फाइनल में 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। भारतीय टीम इस प्रदर्शन के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद दूसरे स्थान पर रही चीन की टीम जिसने 44.09 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता।

भारत के नाम एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज

मिक्स्ड 4म100 मीटर रिले में भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला। तमन्ना और स्नेहा ने अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव के साथ इस इवेंट में ब्रॉन्ज जीता था। इसके बाद मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक ने भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। इस चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ देश के नाम रजत पदक किया।

एक नजर

राज्य परिवहन प्राधिकरण की बैठक 6 जुलाई को

लखनऊ । राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश की बैठक 6 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्यालय परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश टेहरी कोठी महात्मा गांधी मार्गलखनऊ में सम्पन्न होगी। सचिव राज्य परिवहन प्राधिकरण ने बताया कि बैठक में परमिटों के नवीनीकरण एवं हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों, नये परमिटों के आवेदन पत्रों, मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा-86 के अंतर्गत परमिटों को निरस्त निलम्बित करने की कार्यवाही एवं अन्य तात्कालिक प्रकरणों पर विचार किया जायेगा। व्यक्ति स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है।

मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री और मण्डल कमीशन के मसीहा वीपी सिंह की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर होटल क्लार्क अवध में मण्डल मसीहा मेमोरियल सोसायटी के तत्वावधान में सामाजिक न्याय में वीपी सिंह की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। प्रदेश के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल नासीर नासिर की अध्यक्षता में हुई संगोष्ठी में पूर्व मंत्री और लोक सभा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर मौलाना मोहम्मद मुस्तफा मदनी नदवी ने कहा कि कुरआन में अल्लाह पाक ने इन्सानों के साथ भलाई, इंसाफ उनकी रक्षा और सुरक्षा समेत अन्य मानवीय व समाजी सेवाओं के लिए दूसरे इंसानों को ज़म्मिेदारी सौंपी है। समाज की यह ज़म्मिेदारी है कि उन वर्गों के उत्थान के लिए काम करें जो पिछड़े और वंचित है।

बीएयू के शिक्षक प्राकृतिक खेती में योगदान पर सम्मानित

लखनऊ। बीबीएयू के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में आयोजित प्राकृतिक खेती विषयक कार्यक्रम में केन्द्र सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सम्मानित किया। प्रो. अरोड़ा को बिलासपुर जिले के ग्रामीणों की आजीविका में सुधार तथा प्रकृति आधारित जैविक कृषि को बढ़ावा देने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। समारोह में पद्मश्री नेकराम शर्मा भी उपस्थित रहे। बीबीएयू कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. अरोड़ा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तीन भर्ती परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने तीन भर्ती परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। आयोग की वेबसाइट https:// upsssc.gov.in पर इसके डाउनलोड की सुविधा दी गई है। फार्मासिस्ट के 564 पदों पर भर्ती के लिए 29 जून को होने वाली परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधीन रिक्त 93 पदों पर भर्ती के लिए 29 जून को दूसरी पाली में होने परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। बीसीजी तकनीशियन के 255 पदों पर भर्ती के लिए 30 जून को होने वाली परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है।

परिषदीय स्कूलों को एक जुलाई से खोलने की मांग

लखनऊ। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने एक जुलाई से ही परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों को खोलने की मांग की है। अत्याधिक गर्मी होने के कारण विद्यालयों को अभी न खोला जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने जलवायु परिस्थितियों के अनुसार समय-सारिणी निर्धारित करने की मांग की है। उन्होंने अपर मुख्य सचिव, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा को इस संबंध में ज्ञापन भेजा है। ग्रीष्मकाल में विद्यालय सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे और शीतकाल में सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक खोलने की मांग की है।

22 जगह पकड़ी गई विद्युत चोरी, 9 पर एफआईआर

लखनऊ। भीषण गर्मी में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं लाइन लॉस कम करने को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने आज लखनऊ के अमौसी, गोमती नगर, जानकीपुरम और मध्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। जनसंपर्क अधिकारी शालिनी यादव द्वारा इस संदर्भ में दी गई जानकारी में बताया गया कि प्रबन्ध निदेशक के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत बकायेदारों और बिजली चोरी करने वालों पर विच्छेदन के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। दी गई जानकारी के क्रम में बताया गया कि अधिशाषी अभियन्ता रेड असेसमेंट अमौसी ने सक्सेस स्टोरी फीडरों पर मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया। 95 संयोजनों की जांच में 9 उपभोक्ता मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पाए गए। सभी के खिलाफ धारा-135 में एफआईआर दर्ज की गई।

आलमनगर से खड़गपुर के लिए कल चलेगी स्पेशल ट्रेन

लखनऊ। गर्मी की छुट्टी में उमड़ी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बंगाल के खड़गपुर जंक्शन के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन करने जा रहा है। लखनऊ में इस ट्रेन 27 जून को आलमनगर और उतरेठिया से बैठा जा सकता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन नंबर 04648 का संचालन 26 जून को जम्मू संभाग में स्थित शहीद कैप्टन तुषार महाजन जंक्शन से खड़गपुर के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन शहीद कैप्टन तुषार महाजन जंक्शन से 26 जून की रात 09.30 बजे चलेगी। अंबाला कैंट, सहारनपुर, बरेली, हरदोई स्टेशन होते हुए अगले दिन 27 जून की शाम 05.10 बजे आलमनगर स्टेशन पहुंचेगी। यहां 10 मिनट रुकेगी। उसके बाद 05.58 पर उतरेठिया जंक्शन पहुंचेगी।

अमीनाबाद में खमभों पर लटकते तार

लखनऊ। लखनऊ मध्य क्षेत्र, लेसा, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अन्तर्गत आज अमीनाबाद क्षेत्र के मेडिसिन मार्केट और साइकिल मार्केट में विद्युत पोलों पर अनधिकृत रूप से फैले इंटरनेट और निजी केविल तारों को हटाकर व्यवस्थित किया। अधिशासी अभियन्ता धर्मेन्द्र सक्सेना द्वारा इस बाबत दी गई जानकारी में बताया कि विभाग ने पहले भी समाचार पत्रों के माध्यम से इंटरनेट प्रोवाइडरों को कई बार सचेत किया था कि वे अनावश्यक केबल स्वयं हटा लें, लेकिन कोई सार्थक कार्रवाई नहीं हुई। बताया गया कि इन तारों के मकड़जाल से स्पार्किंग और शॉर्ट सर्किट का गंभीर खतरा बना रहता है। भारी मात्रा में गुच्छेदार तारों के भार से विद्युत पोल झुक रहे हैं, जो कभी भी गिर सकते हैं। कई जगह तार ढीले होकर नीचे लटक रहे हैं।

बदला नियम, पारिवारिक संपत्तियों की रजिस्ट्री में आधार मान्य नहीं

संवाददाता

- पारिवारिक रिश्तों के लिए जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल को मिली स्वीकृति

लखनऊ। विदेश मंत्रालय द्वारा पासपोर्ट को नागरिकता का अंतिम प्रमाण न मानने के स्पष्टीकरण के ठीक बाद, अब आधार कार्ड को रजिस्ट्री से दूर कर दिया गया है। निबंधन विभाग ने एक आधिकारिक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड केवल किसी व्यक्ति की पहचान और पते का प्रमाण है, इसे रजिस्ट्रियों में मान्य नहीं किया जायेगा।

संपत्तियों खरीद व बिक्री के लिए रजिस्ट्री कार्यालयों में आधार को सिर्फ पहचान और पते का सबूत माना जाएगा। इस पर लिखी पारिवारिक जानकारी, जैसे माता-पिता या जीवनसाथी के नाम, रिश्तों को साबित करने के लिए कानूनी तौर पर मान्य नहीं होंगे। पारिवारिक रिश्तों के लिए जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, उत्तराधिकारी संबंधी अभिलेख व अन्य स्वीकार्य दस्तावेजों से सत्यापन किया जाएगा। महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

इसके मुताबिक रजिस्ट्री कार्यालयों में किसी भी तरह के आवेदन, योजना और विलेख संबंधी दस्तावेजों में जहां पारिवारिक संबंध का सत्यापन किया जाना है, वहां आवेदक को वैध दस्तावेज देखे जाएंगे। संपत्तियों का लेन-देन करने वालों के लिए यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर संपत्तियों की रजिस्ट्री के समय कानूनी वारिसों या पार्टियों के बीच रिश्ते की पुष्टि की जरूरत होती है।

पहले लोग इन रिश्तों को साबित करने के लिए आधार कार्ड की जानकारी पर भरोसा कर लेते थे, लेकिन नए नियमों में इसे बदल दिया गया है। महानिरीक्षक निबंधन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा भी स्पष्ट किया गया है कि आधार पहचान का प्रमाण है, संबंध का नहीं। इसी को आधार मानते हुए आईजी निबंधन ने आदेश जारी किया है कि आधार सिर्फ पहचान और पते का प्रमाण माना जाएगा, संबंध का नहीं। इस आदेश के बाद प्रॉपर्टी के खरीदारों को यह ध्यान रखना होगा कि संपत्तियों की रजिस्ट्री से पहले, रिश्ते के अपने अपडेटेड, सरकार द्वारा जारी प्रमाण तैयार रखने होंगे।

इसमें आधार पर इस्तेमाल नहीं होगा। रिश्ता सत्यापित करने के लिए जरूरी दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल जैसे दस्तावेज दिखाने होंगे।

निबंधन महानिरीक्षक ने जारी किया सर्कुलर

उत्तर प्रदेश के निबंधन महानिरीक्षक द्वारा 19 जून 2026 को जारी इस आधिकारिक परिपत्र में राज्य के सभी सहायक निबंधन महानिरीक्षकों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। सर्कुलर में कहा गया है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं, नागरिक सेवाओं और भूमि या संपत्ति के पंजीकरण से जुड़ी प्रक्रियाओं में आधार का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने और निवास स्थान की पुष्टि करने के लिए ही किया जाए। यह आदेश राज्य सरकार और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के बीच हुए हालिया संवाद और दिशानिर्देशों के संदर्भ में जारी किया गया है।

खत्म होगा जाम का झाम, 300 ई-सिटी बसें चलाने की तैयारी

नगरीय परिवहन निदेशालय ने दी हाईटेक सिटी बस टर्मिनल को हरी झंडी

- तीन नए सिटी बस अड्डे जाम से दिलाएंगे राहत, तीन हिस्सों में बटेगा शहर

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ को मिली 300 नई एसी ई सिटी बसों के संचालन को लेकर तैयारी तेज हो गई है। बस संचालन के लिए ऐसी रूपरेखा तैयार की गई है कि अधिक से अधिक लोगों को सुविधा मिलें और शहर में सिटी बसों से ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचा जा सके। इसके लिए लखनऊ को तीन हिस्सों में बांटकर 100-100 सिटी बसें नए बस अड्डों से चलाने की तैयारी है।

लखनऊ में चल रही 115 ई सिटी बसों के लिए सिर्फ दुबग्गा में डिपो हैं। यहां से रोजाना 100 से ज्यादा बसें निकलती हैं और शाम सात बजे लौटती हैं। इस दौरान सिटी बसों से ट्रैफिक जाम और सवारियों को देर रात तक सिटी बसों की सेवाएं नहीं मिल पाती। इसे देखते हुए सिटी ट्रांसपोर्ट ने 300 नई ई एसी सिटी बसों के संचालन की रूपरेखा तैयार की है। ताकि लखनऊ के हर हिस्से तक सिटी बसों की सेवाएं पहुंचे और लोगों को सफर में राहत मिल सके। नगरीय परिवहन निदेशालय पीपीपी मॉडल पर वृंदावन योजना के सेक्टर-9 स्थित पी फोर पार्किंग में हाईटेक सिटी बस टर्मिनल को स्वीकृत दे दी हैं। इस हाईटेक टर्मिनल और व्यावसायिक परिसर पर कुल 380 करोड़ खर्च होंगे। 105 करोड़ से बस टर्मिनल और 275 करोड़ वाणिज्यिक व सार्वजनिक स्थलों पर खर्च किए जाएंगे।

शहीद पथ पर बनेगा 24 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर और स्काईवॉक : लखनऊ में बढ़ती गाड़ियों की भीड़ और जाम की समस्या को देखते हुए बड़ी पहल की गई है। जिसमें शहीद पथ पर अब 24 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कोरिडोर बनाया जाएगा। यह मार्ग राजधानी लखनऊ के साथ-साथ अयोध्या और कानपुर जैसे शहरों को भी जोड़ता है, जिसके चलते सुबह और रात के समय यहां लगा जाम लगता है और लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का समाना करना पड़ता है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लुलु माल के पास शहीद पथ पर 100 मीटर के स्काई वाक को भी मंजूरी दी है। एलिवेटेड कोरिडोर में योजनाओं को ध्यान में रखते हुए इकाना स्टेडियम के पास शहीद पथ पर फ्योईओवर बनाया जाएगा, जिसे ग्रीन कोरिडोर किसान पथ से जोड़ा जाएगा।

मार्गो पर सिटी बस टर्मिनल

इन मार्गो पर सिटी बस टर्मिनल के लिए होगी जमीन

- लखनऊ-कानपुर रोड पर गंगा एक्सप्रेस वे के पास
- लखनऊ-सुलतानपुर रोड पर किसान पथ के पास
- लखनऊ-अयोध्या रोड पर स्थित कुर्सी रोड के पास

> नई सिटी बसें आने वाली हैं। इन्हें शहर के तीन हिस्सों में बांटकर चलाया जाएगा। जमीन की तलाश है। ताकि हर क्षेत्र के लोगों को सिटी बसों की सेवाएं उपलब्ध कराया जा सके।
>
> विमल राजन, एमडी सिटी ट्रांसपोर्ट, लखनऊ

डेयरी उत्पादों पर नकेल 489 छापे, 658 नमूने भरे

संवाददाता

- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 9.72 करोड़ के खाद्य पदार्थ जब्त

लखनऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डेयरी उत्पादों की जांच के लिए बड़ा अभियान चलाया। टीम ने प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 489 छापे मारे। इस दौरान 658 नमूने संग्रहित किये गये और 9.72 करोड़ के खाद्य पदार्थ जब्त कर लिए गये।

विभाग के मुताबिक विशेष अभियान के अंतर्गत प्रदेश में कुल 489 छापे मारे गए तथा 658 खाद्य नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। कार्रवाई के दौरान कुल 1398.42 क्विंटल खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 9.72 करोड़ रुपये है। वहीं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में भंडारित एवं मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए 122.888 क्विंटल खाद्य पदार्थों, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 21.85 लाख रुपये है, का विनष्टीकरण कराया गया।

कानपुर देहात में भोले बाबा मिल्क फूड्स इण्डस्ट्रीज से लेबलिंग एवं पैकेजिंग प्रावधानों के उल्लंघन पर 1,31,175 किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित कीमत 9.45 करोड़ रुपये है, सीज किया गया। प्रतिष्ठान से 13 नमूने भी संग्रहित किए गए।बागपत में मेरठ एवं गाजियाबाद से आने वाले वाहनों की जांच के दौरान अस्वच्छ स्थिति में पाए गए क्रीम एवं पनीर के नमूने संग्रहित कर 820 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 1.79 लाख रुपये, नष्ट कराया गया।आगरा में कैंट रेलवे स्टेशन के निकट लावारिस अवस्था में मिले अस्वच्छ खोये को जब्त कर 4000 किलोग्राम खोया, मूल्य लगभग 9 लाख रुपये, का विनष्टीकरण कराया गया।फिरोजाबाद में पनीर एवं घी निर्माण इकाइयों पर कार्रवाई करते हुए 510 किलोग्राम घी एवं 250 किलोग्राम पनीर, कुल मूल्य लगभग 6.15 लाख रुपये, जब्त किया गया।

गौतमबुद्धनगर में डेयरी प्रतिष्ठानों से नमूने लेने के साथ अस्वच्छ स्थिति में रखे 300 किलोग्राम पनीर, मूल्य लगभग 72 हजार रुपये, नष्ट कराया गया।गाजियाबाद में विभिन्न डेयरी प्रतिष्ठानों से नमूने संग्रहित कर लगभग 4050 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 7.87 लाख रुपये, जब्त किया गया।मथुरा में कल्लू डेयरी से पनीर एवं दूध के नमूने लेकर अस्वच्छ स्थिति में रखे 1200 किलोग्राम पनीर एवं 3000 लीटर दूध, मूल्य लगभग 5.46 लाख रुपये, नष्ट कराया गया। साथ ही डेयरी का लाइसेंस निलंबित कर निर्माण कार्य बंद कराया गया।मुजफ्फरनगर में घी, वनस्पति एवं मावा के नमूने लेते हुए निर्धारित मानकों के विपरीत पाए गए खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई की गई।मेरठ में घी एवं बटर के नमूने संग्रहित कर लगभग 194 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 1.50 लाख रुपये, जब्त किया गया। अमरोहा में उमंग डेयरी प्रा.लि. से स्किम्ड मिल्क पाउडर का नमूना लेते हुए मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ 2850 किलोग्राम, मूल्य लगभग 9.33 लाख रुपये, जब्त किया गया।

विकासनगर झुग्गी-झोपड़ी अग्निकांड के पीड़ित फिर लाक्षागृह की ओर

संवाददाता

लखनऊ। विकासनगर में हुये भीषण अग्निकांड में स्वाहा हुयी झुग्गी-झोपड़ियों के पीड़ितों को एक बार फिर खतरों की खाई में धकेला जा रहा है। यह कार्य शासन-प्रशासन की मिलीभगत और क्षेत्रीय नेताओं की रजामंदी के बाद किया जा रहा है।

मालूम हो बीते अप्रैल के मध्य यहां हुये भीषण अग्निकांड में सैकड़ों झोपड़ियां जलकर राख हो गयीं थीं और मासूमों को जान से हाथ धोना पड़ा था। इस बड़े हादसे के बाद पीड़ितों के लिये स्थायी समस्या का समाधान के लिये प्रयास न कर अग्निकांड स्थल सरकारी जमीन पर अवैधानिक रूप में न सिर्फ झुग्गी-झोपड़ियां बनवा दी गयीं और उसमें एक राजनैतिक दल ने अपने झण्डे भी लगवा दिये और सारी बिजली आदि की सुविधायें अवैधानिक रूप से दिलवाने में जुटे हुये हैं। जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करते हुये यहां बसे लोगों को जांच कर सुरक्षित स्थानों पर बसाने का कार्य करें और बीते अप्रैल में हुये भीषण अग्निकांड के बाद शासन प्रशासन के अधिकारियों की अनदेखी और अप्रत्यक्ष रूप में पुनः अवैधानिक रूप से झुग्गी-झोपड़ियों को बसाने में सहयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी काररवाई की जाये।

समग्र शिक्षा माध्यमिक की ऑनलाइन मॉनिटरिंग

लखनऊ। अब समग्र शिक्षा माध्यमिक की सभी गतिविधियों पर मण्डल स्तर से भी ऑनलाइन नजर रखी जाएगी। अपर राज्य परियोजना कार्यालय ने लखनऊ मण्डल के संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय को ट्रैक शिक्षा पोर्टल का यूजर आईडी व पासवर्ड दे दिया है। इस बाबत मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, उन्नाव और रायबरेली के माध्यमिक विद्यालयों में चल रही समग्र शिक्षा की गतिविधियों की सतत निगरानी अब मण्डल स्तर से भी होगी। इससे आयोजनों की गतिशीलता में शिथिलता नहीं रहेगी और प्रतिफ़ल बेहतर मिलेगा। दी गई जानकारी में डॉ. दिनेश कुमार के अनुसार राज्य परियोजना कार्यालय ने विद्यालयों में स्वीकृत कार्यक्रमों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के ऑनलाइन अनुश्रवण के लिए संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय को ट्रैक शिक्षा पोर्टल का एक्सेस उपलब्ध करा दिया है।

बिना टिकट यात्रा अब पड़ेगी भारी, होगी जेल

- आरपीएफ या रेलवे के सक्षम अधिकारी मौके पर ही वसूलेंगे

संवाददाता

लखनऊ। बिना टिकट यात्रा, अवैध वेंडिंग, नशे में उत्पात करने, भीख मांगने और वैध टिकट के बिना आरक्षित बोगी में यात्रा करने वालों से रेलवे मौके पर ही जुर्माना वसूलेगा। अदा करने पर मौके पर छोड़ दिया जाएगा। उन्हें रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश नहीं किया जाएगा। यह बदलाव मार्च से लागू जन विश्वास एक्ट 2026 के तहत किया गया है। इस एक्ट में रेलवे एक्ट 1989 के 20 उन प्रावधानों को शामिल किया गया है जो कि जमानतीय और छोटे अपराध की श्रेणी में आते हैं। पहले इन प्रावधानों के तहत पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ आरपीएफ थाना में मुकदमा दर्ज होता था। उन्हें रेलवे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाता था। वहां से उसकी सजा तय होती थी, जिसके तहत आरोपी को जुर्माना या सजा या दोनों हो सकती थी। आरपीएफ अधिकारियों के

अनुसार जन विश्वास एक्ट को लेकर नोटिफिकेशन 19 जून को जारी कर दिया गया है। इसी के साथ ही यह एक्ट क्रियान्वयन में भी आ गया है।

पहले बेटिकट यात्रा पर छह माह तक कारावास या 1000 रुपये तक जुर्माना या दोनों। अब यात्री को पूरा किराया, किराए के बराबर अतिरिक्त शुल्क, न्यूनतम 500 रुपये अतिरिक्त शुल्क मौके पर चुकाने पर छोड़ दिया जाएगा। मौके पर भुगतान न करने पर छह माह का कारावास या 2000 रुपये तक जुर्माना वसूला जायेगा। रेल परिसर में बिना अनुमति फेरी लगाना, सामान बेचना, प्रचार करना और भीख मांगने पर पहले एक साल की सजा या 2000 रुपये तक जुर्माना या दोनों। अब मौके पर 2000 रुपये का जुर्माना। अदा न करने पर तीन महीने का कारावास और 5000 रुपये तक जुर्माना। इन अपराधों को दोहराने पर एक साल की सजा और 5000 रुपये तक जुर्माना। नशे की हालत में उपद्रव करने पर पहले छह माह तक कारावास या 500 रुपये तक जुर्माना या दोनों। अब पहली बार में 1000 रुपये जुर्माना और 24 घंटे की सामुदायिक सेवा। दोहराने पर छह महीने की सजा और 5000 रुपये तक जुर्माना।

रेलवे कर्मचारी के कार्य में बाधा डालने पर पहले छह माह तक कारावास या 1000 रुपये तक जुर्माना या दोनों। अब तीन माह तक कारावास या 2500 रुपये जुर्माना या दोनों। आरक्षित बोगी में प्रवेश पर पहले 500 रुपये तक जुर्माना, अब 2000 रुपये जुर्माना और वैध प्रवेश का विरोध करने पर 1000 रुपये जुर्माना भरना होगा। महिला बोगी में प्रवेश पर पहले 500 रुपये तक जुर्माना, अब 2500 रुपये जुर्माना, मौके पर जुर्माना अदा न करने पर कोर्ट 5000 रुपये तक जुर्माना देना होगा।

यौन उत्पीड़न रोकने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षण

संवाददाता

लखनऊ। जयपुरिया स्कूल, वृन्दावन योजना, लखनऊ में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम विषय पर दो पृथक प्रशिक्षण सत्रों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन विद्यालय के शिक्षकों एवं सहायक कर्मचारियों के लिए किया गया, जिसका उद्देश्य कार्यस्थल की सुरक्षा, पेशेवर आचरण के अंतर्गत अधिकारों एवं दायित्वों तथा सम्मानजनक एवं समावेशी कार्य वातावरण के निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। दोनों सत्रों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कार्यक्रम को अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान साझा की गई व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारियों की सराहना की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम अरोड़ा ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों तथा सहायक स्टाफ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच जागरूकता एवं संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देते हैं।

माध्यमिक संस्कृत स्कूलों में हर शनिवार आनंदमय दिवस

लखनऊ। यूपी में सरकारी माध्यमिक संस्कृत स्कूलों में अब हर शनिवार आनंदमय दिवस मनाया जाएगा। जिसमें छात्रों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता, क्विज, निबंध लेखन के साथ-साथ स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा।

नाम संशोधन संबंधी सार्वजनिक सूचना

मैं, किशन गौतम, यह घोषित करता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश अक्षित कश्यप दर्ज हो गया था, जबकि उसका सही नाम अक्षित सिंह है। अतः भविष्य में सभी शैक्षणिक, सरकारी एवं अन्य अभिलेखों में उसके सही नाम अक्षित सिंह को ही पढ़ा एवं दर्ज किया जाए।

स्थान: गोरखपुर
दिनांक: 27/06/2026
(किशन गौतम)
अभिभावक

कवायद अलीगंज अग्निकांड के बाद परिवहन विभाग ने शुरू की नई मुहिम

बसों में आग से निपटने के लिए प्रशिक्षित होंगे ड्राइवर-कंडक्टर

संवाददाता

- बस अड्डों, बसों व कार्यशालाओं में 18 बिंदुओं पर जांच शुरू, एलपीजी स्टालों पर चलेगा अभियान

लखनऊ। अलीगंज में हुए अग्निकांड के बाद रोडवेज भी मुस्तैद हो गया है। रोडवेज बसों में लगे अग्निशमन यंत्र की जांच से लेकर बस अड्डों, कार्यशालाओं में 18 बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बताया कि बसों में अग्निशमन यंत्रों, वायरिंग व बैटरी, इंजन, इमरजेंसी गेट, हथौड़ा चलाने के लिए चालकों-परिचालकों के प्रशिक्षण दिया जाएगा। रोडवेज बसों के कार्यशालाओं में डीजल टैंक, ई-बस चार्जिंग, विद्युत पैनल, ज्वलनशील भंडारण, फायर टेंडर मार्ग, फायर वार्डन और बस अड्डों पर अग्निशमन यंत्रों, एलपीजी स्टालों, प्रवेश-निकास द्वार, फायर हाइड्रेट, आपातकालीन नंबरों व मॉक ड्रिल को लेकर जांच-पड़ताल के निर्देश दिए हैं। बता कि कैसरबाग सहित अवध, चारबाग, आलमबाग टर्मिनलों से 900 से ज्यादा बसों का संचालन होता है।

बसों में आग से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने के लिए ड्राइवर-कंडक्टर प्रशिक्षित किए जाएंगे। बसों में आग की घटना से निपटने के लिए पहली बार चालक-परिचालकों को प्रशिक्षित करने का फैसला लिया गया है।

1.33 लाख स्कूलों में अग्नि सुरक्षा के उपाय सख्ती से होंगे लागू

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद गुरुवार से खुले परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में आग से बचाव को लेकर पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। राजधानी के अलीगंज में हुए अग्निकांड से सबक लेकर सभी विद्यालयों को अलर्ट किया गया है। खासकर मिड डे मील बनाते समय रसोइयों को पूरी सावधानी बरतने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। गैस सिलेंडर, रेग्युलेटर व बर्नर स्टोव की नियमित जांच की जाएगी। अगर इनमें से कोई भी उपकरण खराब है तो तत्काल उसे ठीक कराया जाएगा। अपर राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) प्रेम रंजन सिंह की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए। रसोइयों को भी अग्निशमन यंत्र के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाए। वहीं भोजन भंडारण की व्यवस्था को भी व्यवस्थित किया जाएगा। साफ-सुथरे ढंग से भोजन पकाने के आदेश भी दिए गए हैं। निर्देश में कहा गया है कि लखनऊ समेत समूचे यूपी में 1.33 लाख परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ रहे 1.48 करोड़ विद्यार्थियों की अग्नि से सुरक्षा के उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा। अग्निशामक यंत्रों के साथ ही सिलेंडर व चूल्हे की भी जांच की जाएगी। मिड डे मील बनाते समय पूरी सतर्कता बरती जाएगी। सभी शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह इसका सख्ती से पालन करें।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5-14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ- 226001 से मुद्रित तथा 486/238-डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ-226020 से प्रकाशित।

सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।